हरिभूमि
जींद-कैथल भूमि
रोहतक, शनिवार, 25 अक्टूबर 2025

तापमान
अधिकतम 31.0 डिग्री
न्यूनतम 17.0 डिग्री

11 अव्यवस्थित ढंग से लगे पोल जनसुरक्षा के लिए बना खतरा

11 जिला स्तरीय कल्चरल फेस्ट का रंगारंग समापन

खबर संक्षेप

उचाना से चलने वाले फीडर आज तीन घंटे तक बंद रहेंगे

उचाना। 33 केवी फीडर उचाना में मेंटेनेंस कार्य के चलते 25 अक्टूबर को 12 से 3 बजे तक बिजली सप्लाई बंद रहेंगी। एसडीओ जोजो तनेजा, जेई दर्शन भुकल ने बताया कि शनिवार को 33 केवी उचाना से चलने वाले उचाना मंडी, उचाना कलां एपी, रेलवे आरडीएस, पालवां आरडीएस, नागरिक अस्पताल, करसिंधु एपी, बड़ौदा एपी फीडर बंद रहेंगे।

कार की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत

कैथल। कैथल राजौंद मार्ग पर गांव तारागढ़ में कार की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवा उसके परिजनों को सौंप दिया। गांव थूआ के देवा सिंह ने राजोंद पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 23 अक्टूबर को दोपहर करीब 12:00 बजे जब उसका पिता इंद्र सिंह तारागढ़ से जा रहा था।

कष्ट निवारण समिति की बैठक 29 को

जींद। नगराधीश मोनिका रानी ने बताया कि जिला परिवेदना कष्ट निवारण समिति की मासिक बैठक का हुआ आयोजन 29 अक्टूबर को सुबह 11 बजे होगा। डीआरडीए के सभागार में होने वाली इस बैठक की अध्यक्षता जिला कष्ट निवारण समिति के चेयरमैन एवं हरियाणा के शिक्षा एवं संसदीय कार्य मंत्री महिपाल ढांडा करेंगे।

गांव भूना से लाखों के बिजली उपकरण चोरी

कैथल। गांव भूना से चोर बिजली निगम के लाखों रुपए के उपकरण चुरा कर ले गए। बिजली निगम कैथल के उपमंडल अभियंता भारत भूषण ने सीवन पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 23 अक्टूबर को अज्ञात चोर गांव भूना खरोदी रोड से निगम के चार एसीएसआर कंडक्टर चुरा कर ले गए। चुराए गए उपकरणों की कीमत 10 लाख 3 हजार 333 बताई गई है।

व्यापारी से धोखाधड़ी का आरोपित दबोचा

जींद। साइबर थाना पुलिस ने व्यापारी से धोखाधड़ी करने के एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपित से पूछताछ कर रही है। भिवानी रोड स्थित लक्ष्मी नगर निवासी सुमित ने गत 13 मार्च को पुलिस को दी शिकायत मे बताया था कि वह कैपिटल फ्रेंजी के नाम से एक व्हाट्सअप ग्रुप में जुडने से जुड़ा था। गुरप में ट्रेडिंग से संबंधित ट्रेनिंग कार्यक्रम देखने लगा। जिसके बाद ग्लैड अरब नाम से एक एप का लिंक भेजा गया।

ठग सोने की अंगूठी लेकर हुआ फरार

कैथल। कस्बा कलायत से ठग एक व्यक्ति से सोने की अंगूठी छीन कर फरार हो गए। वाल्मीकि मोहल्ला कलायत के जगमाल ने बताया कि 21-22 अक्टूबर को जब वह सायं के समय कस्बा कलायत से गुजर रहा था तो एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा उसके साथ धोखाधड़ी करते हुए उसकी सोने की अंगूठी ले ली तथा वहां से फरार हो गया।

चाची से किया दुष्कर्म ब्लैकमेल का आरोप

जींद। सदर थाना इलाका गांव में भतीजे ने चाची के साथ दुष्कर्म करने तथा ब्लैकमेल करने का मामला सामने आया है। सदर थाना पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर आरोपित भतीजे के खिलाफ दुष्कर्म करने समेत विभिन्न भारतीय न्याय संहिता के तहत के दर्ज किया है। सदर थाना इलाका गांव की एक महिला ने शिकायत दी है।

मेडिकल स्टोर से 50 हजार की नकदी चुराई

कैथल। पार्क रोड स्थित मेडिकल स्टोर से चोर दुकान का शटर तोड़ते हुए 50000 की नकदी चुरा कर ले गए। माता गेट के दीपक मदान ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह पार्क रोड पर मेडिकल स्टोर की दुकान करता है। आरोप है कि 23 की रात को चोर शटर को तोड़ते दुकान में घुसकर व करीब 50000 की नकदी चुरा कर ले गए।

प्रशासन से हांसी ब्रांच नहर में पानी छोड़े जाने की मांग

नहाय-खाय के साथ छठ महापर्व आज से होगा शुरू, 36 घंटे निर्जला व्रत रख महिलाएं 28 को देगी सूर्य को अर्घ्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

छठ पर्व शनिवार से शुरू हो जाने जा रहा है और 28 अक्टूबर को संपन्न होगा। यह पर्व भगवान सूर्य देवता को समर्पित है और इसमें डूबते सूर्य देवता को अर्घ्य दिया जाता है। ऐसे में शहर के बीचोंबीच से गुजर रही हांसी ब्रांच नहर में हजारों की संख्या में श्रद्धालु अर्घ्य देने के लिए आते हैं लेकिन अभी तक भी नहर में शुक्रवार को पानी नही था। ऐसे में अगर पानी नही आता है तो प्रवासी लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ेगा। उन्हें त्योहार को मनाने के लिए या तो शहर के मध्य स्थित रानी तालाब या पिंडारा तीर्थ का रूख करना होगा।

दूसरे दिन 26 को खरना से होगी शुरूआत

इस व्रत का दूसरा दिन खरना कहलाता है। 26 अक्टूबर को इस दिन लोग संझवत की परंपरा को निभाते हुए जल स्थान पर जाकर स्नान, ध्यान करने के बाद दीपक जलाते है। इसके बाद छठ पूजा के दिन संध्याकालीन अर्घ्य दिया जाएगा। 27 अक्टूबर यानि छठ पूजा के तीसरे दिन भगवान सूर्य को संध्याकालीन अर्घ्य दिया जाएगा और 28 अक्टूबर को छठ पूजा के आखिरी दिन उगते हुए सूर्य देवता को प्रातःकालीन अर्घ्य देकर साधक अपने व्रत को पूर्ण करते हैं। पूर्वांचल प्रकोष्ठ के प्रधान संतोष कुमार ने बताया कि हर बार की तरह इस बार भी छठ महापर्व को धूमधाम से मनाया जाएगा। अभी तक हांसी ब्रांच नहर में पानी नही आया है। ऐसे में कुछ रानी तालाब में तथा कुछ पांडु पिंडारा के तीर्थ में सूर्य को अर्घ्य देंगे। उनकी प्रशासन से मांग है कि हांसी ब्रांच नहर में पानी छोड़ा जाए।

जींद। हांसी ब्रांच नहर, जिसमें पानी नही है। फोटो :हरिभूमि

छठी मैया की पूजा का विशेष महत्व

निर्जला व्रत का समापन उगते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद होता है। जो इस बार 28 अक्टूबर को रहेगा। इस दिन महिलाएं नदी में खड़े होकर उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देती हैं। छठी मैया की पूजा का विशेष महत्व होता है। खरना के बाद छठ के महापर्व में डूबते हुए सूर्य को घाट अर्घ्य दिया जाता है। हिंदू मान्यता के अनुसार छठ व्रत को करने से व्यक्ति को सुख व सौभाग्य का वरदान प्राप्त होता है। पूरे साल छठी मैया की कृपा बरसती रहती है। जींद में हजारों लोग छठ पूजा करते हैं। पिछले तीन-चार सालों से जींद में भी इस त्योहार का बहुत खास महत्व रहा है। हर साल कार्तिक मास के षष्ठी तिथि से इस पर्व की शुरुआत होती है। पूजा का त्योहार 25 अक्टूबर से शुरू होगा। इसका आरंभ नहाय-खाय से होगा। समापन सूर्य को अर्घ्य देने के बाद होगा। सुहागिन महिलाएं सुख व समृद्धि, संतान सुख और आरोग्य की प्राप्ति के लिए 36 घंटों तक निर्जला व्रत रखेगी।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की टीम ने किया दौरा

जींद में ग्रैप दो लागू: एक्यूआई 330 से अधिक, जनरेटर के इस्तेमाल पर प्रतिबंध

आने वाले दिनों में भी प्रदूषण का स्तर कम होने की उम्मीद नहीं

दिवाली के बाद लगातार जहरीली होती जा रही हवा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

दीपावली पर्व के बाद से लगातार हवा जहरीली होती जा रही है। ऐसे में प्रदूषण स्तर बढ़ने के चलते जिले में ग्रैप दो को लागू किया गया है। प्रशासन द्वारा ग्रैप दो के नियम लागू करवाने के निर्देश दिए हैं। वायु प्रदूषण अधिक बढ़ने की वजह से जिले को रेड जोन में शामिल किया गया है। वहीं केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की टीम ने जिले का दौरा किया। इसमें प्रदूषण के स्तर को कम करने के लिए बायो एनर्जी प्लांट का दौरा किया। इसमें किसान धान की पराली का निपटान कर सकेंगे। इसके अलावा पराली के अन्य विकल्प भी तलाशे जा रहे हैं। हालांकि अब तक जिले में धान के अवशेष जलाने के ज्यादा मामले नही आए। इसके बावजूद भी जिले की हवा बेहद खराब श्रेणी में पहुंच गई। इसके चलते दो दिनों से जिले का एक्यूआई 300 से ज्यादा पर चल रहा है। आने वाले दिनों में भी प्रदूषण का स्तर कम होने की उम्मीद नहीं है। जिले में वायु प्रदूषण का स्तर इतना अधिक बढ़ गया है कि एक्यूआई 300 से ऊपर दर्ज किया गया है।

जींद। कचरे से उठता धुआं। फोटो :हरिभूमि

आकाश में छाया स्मोग, लोगो की परेशानी बढ़ी

दीपावली के बाद से आव्वो हवा दुषित बनी बनी हुई। शुक्रवार को दोपहर बाद आकाश मे स्मोग छा गया। जिसके चलते लोगों के स्वास्थ्य के साथ जोखिम पैदा हो गया। स्मोग के छाने से बुर्जगो बच्चो तथा बीमार लोगो के सामने परेशानी खड़ी हो गई। स्मोग के पीछे पटाखे फोडने, पराली अवशेष जलाने के साथ तापमान को भी जिम्मेवार माना जा रहा है। शुक्रवार को अधिकतम तापमान 31 डिग्री तथा न्यूनतम तापमान 17 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम में आद्रता 73 प्रतिशत तथा हवा की गति पांच किलोमीटर प्रति घंटा दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार 28 अक्टूबर से मौसम के करवट लेने की संभावना है।

नियम अपनाएं

जहरीली होती हवा को देखकर जिले में ग्रैप 2 को लागू कर दिया गया है। जो प्रदूषण कम होने के बाद ही हटाया जा सकेगा। लोगों का खुली हवा में सांस लेना मुश्किल हो गया है। वहीं जिला प्रशासन ने एक्यूआई स्तर कम करने के लिए शहर की सड़कों पर पानी का छिड़काव करना भी शुरू नहीं करवाया है। यह छिड़काव सुबह, दोपहर और शाम को किया जाना चाहिए। सड़कों पर दौड़ने वाले वाहनों की वजह से धूल में ग्रैप 2 की पाबंदी उड़ रही हैं। पोल्यूशन विभाग के एसडीओ अनिल ने बताया कि जींद में ग्रैप 2 के नीयम लागू कर दिए गए हैं। हर किसी को इसकी पालना करनी चाहिए।

ये पाबंदियां

ग्रैप के दूसरे चरण की पाबंदियां अस्पताल, रेल सेवा को छोड़कर अन्य जगहों पर डीजल जनरेटर के इस्तेमाल पर प्रतिबंध। कोयले और लकड़ी जलाने पर रोक रहेगी। फैक्टरियों में केवल उचित ईंधन का इस्तेमाल किया जाएगा। निजी वाहनों के इस्तेमाल को कम करने के लिए पार्किंग फीस को बढ़ाना। बायो गैस, एलपीजी से चलने वाले जेनरेटर का इस्तेमाल किया जा सकेगा। रोजाना सड़कों की साफ-सफाई और पानी का छिड़काव करना।

कैथल। नागरिक अस्पताल कैथल।

कैथल में बढ़ रहे सांस और एलर्जी के मरीज

दीपावली पर आतिशबाजी और पराली जलाए जाने का असर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

दीपावली पर्व पर करीब तीन दिन तक लगातार की गई आतिशबाजी और पराली जलाए जाने के कारण एक्यूआई में इजाफा होने के कारण मरीजों की संख्या में इजाफा देखा जा रहा है। अस्पताल में भी मरीजों की कतार लगी हुई हैं। बता दें कि दीपावली से पूर्व कैथल का एक्यूआई सामान्य 80 से 160 के बीच था लेकिन दीपावली पर्व के बाद यह 380 को भी पार कर गया था। ऐसे में धुंआ व धुल के कण होने के कारण एलर्जी ओर सांस के मरीजों की परेशानी बढ गई है। यदि कैथल के नागिरक अस्पताल की बात की जाए तो यहां प्रतिदिन करीब 150 मरीज पहुंच रहे हैं। गौरतलब है कि एक्यूआई बढ़ने का कारण दीपावली के दिन की गई आतिशबाजी, उद्योगों से निकलने वाला धुआं और फसल अवशेष जलाने जैसी गतिविधियां हैं। इन सभी कारणों से हवा में जहरीले कण और सूक्ष्म धूल की मात्रा बढ़ गई है। यही नहीं, सुबह और शाम के समय स्मॉग के कारण दृश्यता भी प्रभावित हो रही है, जिससे सड़क दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ जाता है।

नजरअंदाज न करें विशेषज्ञ को दिखाए

गुप्ता अस्पताल कैथल के चिकित्सक प्रसिद्ध नेत्र रोग विशेषज्ञ डा. विकास गुप्ता ने बताया कि दीपावली के उपरांत संक्रमण बढ़ने से मरीजों की संख्या में इजाफा देखा जा रहा है। प्रायः की अपेक्षा दोगुने मरीज पहुंच रहे हैं। आंखों में यदि कोई समस्या सामने आती है तो उसे नजरअंदाज न करें तुरंत विशेषज्ञ को दिखाएं ताकि बीमारी का समय रहते इलाज किया जा सके।

चोरी की गुत्थी सुलझी जेवर व नकदी बरामद

जींद। डिटेक्टिव स्टाफ ने चोरी की गुत्थी को सुलझाते एक आरोपित को गिरफ्तार कर उसकी निशानदेही पर नगदी, सोना के जेवरात तथा मोबाइल फोन को बरामद किया है। पुलिस आरोपित से पूछताछ कर रही है। शहर निवासी अशोक ने गत 19 सितंबर को पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि बीती रात चोरों ने उसके मकान का ताला तोड़ कर सोना, चांदी के जेवरात, तीन लाख 90 हजार रुपये की नगदी, दो मोबाइल फोन को चोरी कर लिया। शहर थाना पुलिस ने अशोक की शिकायत पर अज्ञात लोगों के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने जांच को आगे बढाया तो शहर के विजय का नाम सामने आया। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए विजय को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपित को रिमांड पर लेकर उसकी निशानदेही पर चार हजार रुपये की नगदी, दो सोने की चैन, दो सोने के कंगन, एक फोन को बरामद किया है।

सीवन। अवैध कालोनियों को हटवाती जेसीबी। फोटो :हरिभूमि

अवैध निर्माण ढहाए

कैथल। जिला नगर योजनाकार प्रवीण कुमार ने बताया कि कार्यालय द्वारा जिला प्रशासन के सहयोग से राजस्व संपदा सीवन में पनप रही अवैध कॉलोनियों में तोड़फोड़ की कार्यवाही की गई। अवैध कालोनियों में कार्यवाही एचडीआर एक्ट 1975 के प्रावधान अनुसार की गई। इस कार्रवाई के दौरान बिजली विभाग के कार्यकारी अभियंता मुनीष कुमार बतौर इयूटी मजिस्ट्रेट तैनात रहे। जिला नगर योजनाकार प्रवीण कुमार ने बताया कि राजस्व संपदा सीवन में लगभग 4 एकड़ में अवैध कालोनियां पनपने का मामला संज्ञान में आया था। जिसके बाद कार्यालय द्वारा भूस्वामियों को एचडीआर एक्ट 1975 की धाराओं के तहत नोटिस जारी करके अवैध कालोनियों को रोकने के आदेश दिए गए थे। परंतु भू-स्वामियों द्वारा ना तो मौके पर बनाई जा रही अवैध कालोनी के निर्माण कार्य को रोका गया और न ही विभाग से किसी प्रकार की अनुमति के लिए आवेदन किया। जिसके बाद डीटीपी का अमला पुलिस बल संबंधित कालोनियों में पहुंचा और वहां पर बनी मिट्टी की सड़कों व डीपीसी को शुरूआती चरण में तोड़ा गया। जिला नगर योजनाकार द्वारा आम लोगों से अपील की है कि वे किसी कालोनी में प्लाट लेने से पहले उसकी वैधता जरूर चैक कर लें।

लड़ाई में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत

पूंडरी। गांव मोहना में दीपावली की रात को खुशियों का त्योहार मातम में बदल गया, जब कुछ हमलावरों ने परिवार पर जानलेवा हमला कर दिया। घटना में 18 वर्षीय युवक विशाल की मौत हो गई, जबकि उसकी मां इंद्रा देवी गंभीर रूप से घायल हैं। पीड़ित के पिता संजय कुमार पुत्र चमेल सिंह निवासी मोहना ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि 22 अक्टूबर की रात परिवार के साथ घर पर दीपावली का पर्व मना रहे थे। इसी दौरान गांव के गुलाब पुत्र सुभाष, छोटू पुत्र सुभाष उर्फ बिट्ठा निवासी मोहना, कांटी निवासी पयोंत जिला करनाल, धोनी निवासी बरसाना, सागर उर्फ दुरु, अकशु पप्पू निवासी बरसाना और 4-5 अन्य युवक हथियारों से लैस होकर उनके घर पर आ धमके। हमलावरों के हाथों में चाकू, गंडासी और तलवारें थीं।

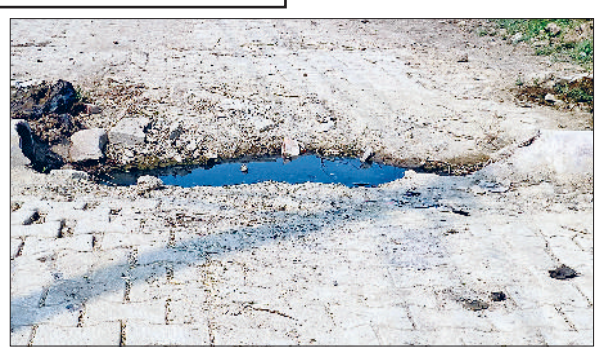

राजौंद। रोहेड़ा कि विश्वकर्मा चौपाल के पास गली में टूटी हुई पुली का दृश्य।

टूटी पुलिया दे रही हादसों को दावत

राजौंद। गांव रोहेडा की विश्व कर्मा चौपाल के पास गली में पुलिया टूटने से कई दिन बीत चुके हैं लेकिन टूटी हुई पूली को ठीक न करने के कारण आए दिन हादसे हो रहे हैं। अंधेरे में जब यह टूटी हुई पुलिया नजर नहीं आती तो कई बार लोग चोटिल हो जाते हैं। इस बारे ग्रामीणों द्वारा पंचायत को बार-बार अवगत करवाने के बावजूद भी इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा। इस बारे ग्रामीणों ने बताया कि इस पुलिया को टूटे हुए कई महीने बीत चुके हैं। लेकिन दूसरी पूली लगाने के लिए ग्राम पंचायत द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की जा रही। जिसे लेकर लोगों में भारी रोष है। ग्रामीणों ने कहा कि टूटी हुई पुलिया के कारण कई बार टू व्हीलर वाहन चालक इसमें गिरने से चोटिल हो गए हैं। छोटे से कार्य के लिए भी लंबे समय तक इंतजार करना पड़ रहा है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि इस टूटी हुई पुलिया को शीघ्र बनाया जाए ताकि कोई बड़े हादसे से बचा जा सके।

विदेश भेजने के नाम पर ठगी का आरोपित भेजा जेल

जींद। अस्ट्रेलिया भेजने का झांसा देकर 17 लाख रुपये हड़पने के मामले में सदर थाना नरवाना पुलिस ने रिमांड पर लिए गए आरोपित की निशानदेही पर चार लाख रुपये की नगदी बरामद की है। रिमांड अवधी समाप्त होने पर आरोपित को कोर्ट में पेश किया गया। जहां से न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। दनौदा कलां निवासी अमित ने 13 सितंबर 2024 को पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि वह अक्टूबर 2022 में स्टडी वीजा पर सिंगापुर गया था। वहां पर उसकी मुलाकात दरियापुर अहमदाबाद निवासी जीगर काडिया, अहमदाबाद निवासी कार्तिक, गांधी नगर निवासी हसराज से मुलाकात हुई। आपस में दोस्ती होने के चलते आरोपितों ने उसे विश्वास में ले लिया और अस्ट्रेलिया भेजने की बात कही। आरोपितो ने अलग-समय पर उससे 17 लाख अस्ट्रेलिया भेजने के नाम पर ले लिए थे।

एडीसी ने लाडो लक्ष्मी योजना को लेकर समीक्षा बैठक ली

43 हजार पात्र महिलाओं ने करवाया रजिस्ट्रेशन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

लघु सचिवालय में एडीसी के सभागार में शुक्रवार को एडीसी विवेक आर्य ने दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना को लेकर अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक से पहले चंडीगढ़ से वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर ने सभी उपायुक्तों और अतिरिक्त उपायुक्तों से योजना से जुड़े आवेदनों की प्रगति की समीक्षा की और आवेदन की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने मोबाइल ऐप के उपयोग को आसान और प्रभावी बनाने के लिए अधिकारियों से सुझाव भी मांगे। एडीसी विवेक आर्य ने कहा कि जिला में अबतक तकरीबन 43 हजार पात्र महिलाओं के रजिस्ट्रेशन किए जा चुके हैं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को रजिस्ट्रेशन बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि अगले दो दिनों में ग्राम स्तर और शहर में वार्ड स्तर पर विशेष कैंप लगा कर महिलाओं का पंजीकरण और पात्रता सत्यापन सुनिश्चित किया जाए।

जींद। वीसी में भाग लेते एडीसी। फोटो :हरिभूमि

कैथल में 84 हजार महिलाएं पात्र

कैथल। डीसी प्रीति ने कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण और सामाजिक सुरक्षा को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से हरियाणा सरकार द्वारा दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना शुरू की गई है। जिला में करीब 84 हजार महिलाएं इस योजना की संभावित पात्र हैं। जिनमें से करीब 30 हजार महिलाओं ने इस योजना का लाभ लेने के लिए एप के माध्यम से अपना आवेदन कर दिया है। अधिकारी सुनिश्चित करें कि प्रत्येक पात्र महिलाओं को योजना का लाभ मिले। जिन महिलाओं ने अभी तक योजना के तहत आवेदन नहीं किया है, उन सभी संभावित पात्र महिलाओं से संपर्क किया जाए और उनके मोबाइल एप के माध्यम से आवेदन करवाएं। पात्र महिलाओं को लाभ पहुंचाने के लिए अधिकारी युद्धस्तर पर काम करें। इसके लिए गांव में कैंप भी लगाए जाएं। डीसी प्रीति शुक्रवार को लघु सचिवालय स्थित वीडियो कांफ्रेंसिंग हॉल में संबंधित अधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दे रही थीं।

जींद नागरिक अस्पताल में अब प्रत्येक ओपीडी के लिए जारी होंगे टोकन नंबर

- मरीजों को लाइन में लगने से मिलेगा छुटकारा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जिला मुख्यालय स्थित नागरिक अस्पताल में उपचार के लिए आने वाले लोगों को अब अपनी बारी का ज्यादा इंतजार नही करना होगा। अस्पताल में लोगों की परेशानी को देखते हुए ओपीडी के लिए टोकन नंबर जारी किए जाएंगे। इसी टोकन नंबर के हिसाब से मरीजों को चिकित्सक द्वारा बुलाया जाएगा। जिससे न तो कोई पहले और कोई बाद में की बात को लेकर मरीजों में बहस होगी और उन्हें परेशानी भी नही उठानी पड़ेगी। फिलहाल गायनी वार्ड में टोकन नंबर की शुरूआत की गई थी। जिसका रिस्पोंस अच्छा मिला है। अब हर ओपीडी रूम में इस टोकन नंबर की शुरूआत होगी। नागरिक अस्पताल की बात की जाए तो यहां प्रतिदिन 1800 तक की ओपीडी होती है। ऐसे में हर चिकित्सक के कमरे के बाहर मरीजों की लंबी-लंबी लाइन लग जाती है। सोमवार को यह संख्या दो हजार तक पार कर जाती है। काफी देर तक मरीजों को लाइनों में लगकर अपनी बारी का इंतजार करना पड़ता है। ऐसे में मरीजों को काफी परेशानी होती है। मरीजों को घंटों तक लाइन में लगना पड़ता है। जिस कारण उनके लिए खड़ा रहना किसी जंग जीतने से कम नहीं है।

मगरमच्छ अपनी जीभ बाहर नहीं निकाल सकते।

चमगादड़ एकमात्र स्तनधारी हैं जो उड़ सकते हैं।

नॉलेज

यंगभूमि डेस्क

प्रयोगशाला शिक्षक बन चमकाएं अपना करियर

कौन होता है प्रयोगशाला शिक्षक

प्रयोगशाला टीचर उच्च कक्षाओं में जो प्रयोगशाला होती है। उन प्रयोगशालाओं में अध्यापक के तौर पर प्रैक्टिकल करवाने वाले उम्मीदवार को कहा जाता है। प्रयोगशाला टीचर उच्च कक्षाओं यानी कि 10वीं 11वीं और 12वीं कक्षाओं में जो विज्ञान वर्ग के विषयों में प्रैक्टिकल करवाने का काम करते हैं, उनको कहा जाता है। प्रयोगशाला अध्यापक लैब में विद्यार्थियों को प्रैक्टिकल करके हर चीज सिद्धांत के साथ समझाते हैं। विज्ञान विषय में प्रैक्टिकल काफी महत्वपूर्ण होता है। विज्ञान की थ्योरी पढ़ने के साथ-साथ प्रैक्टिकल के माध्यम से उस रिएक्शन और गतिविधि के बारे में संपूर्ण जानकारी विद्यार्थी लेते हैं और यह जानकारी देने का काम लैब टीचर करता है।

जरूरी योग्यताएं

जो विद्यार्थी प्रयोगशाला टीचर बनने का सपना देख रहे हैं। और प्रयोगशाला टीचर बनने के लिए मेहनत कर रहे हैं। उन विद्यार्थियों को सबसे पहले लैब टीचर बनने के लिए जरूरी योग्यता को पूरा करना होगा योग्यता को पूरा करके ही आप प्रयोगशाला टीचर की भर्ती में आवेदन लगा सकते हैं और टीचर बनने के सपने को पूरा कर सकते हैं। प्रयोगशाला टीचर बनने के लिए जरूरी योग्यता नीचे कुछ इस प्रकार से दी गई है:

- उम्मीदवार 12 वीं कक्षा विज्ञान वर्ग के साथ पास किया हुआ होना अनिवार्य है।
- उम्मीदवार को उच्च शिक्षा के तौर पर आगे ग्रेजुएशन और मास्टर ग्रेजुएशन करना जरूरी है।
- बीएड की डिग्री हासिल करें।

करने होते हैं ये कार्य

प्रयोगशाला टीचर के कार्य कि यदि बात की जाए तो प्रयोगशाला टीचर शब्द से ही यह अंदाजा लगाया जा सकता है, कि ऐसा अध्यापक जो प्रयोगशाला में होने वाली गतिविधियों को सुचारू रूप से चलाने में अपनी मदद करता है। प्रयोगशाला में विद्यार्थियों को नए नए प्रयोग सिखाने और उनके बारे में जानकारी देने में प्रयोगशाला टीचर अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। विद्यार्थियों को विज्ञान की कई प्रकार की रियक्शन और गतिविधियों से अवगत करवाता है। प्रयोगशाला टीचर विद्यार्थियों को प्रयोग सिखाता है और लैब की परीक्षाओं में एग्जाम करवाने का काम भी करता है।

कैसे बनें

प्रयोगशाला टीचर बनने के लिए विद्यार्थियों को सबसे पहले 12 वीं कक्षा विज्ञान वर्ग के साथ पास करनी होगी। विज्ञान वर्ग के साथ जो विद्यार्थी 12वीं कक्षा पास कर लेता है। उसको नीचे दिए गए निम्नलिखित चरणों को फॉलो करते हुए आगे बढ़ना होगा।

ग्रेजुएशन पूरा करें : 12 वीं कक्षा विज्ञान वर्ग में पूरा कर चुके विद्यार्थी किसी भी सब्जेक्ट के साथ ग्रेजुएशन कर सकता है। ग्रेजुएशन विज्ञान वर्ग से संबंधित होना अनिवार्य है। ग्रेजुएशन की डिग्री न्यूनतम 50% अंक के साथ पास करना काफी महत्वपूर्ण रहता है।

बीएड की डिग्री हासिल करें : 12 वीं कक्षा विज्ञान वर्ग में पूरा कर चुके विद्यार्थी किसी भी सब्जेक्ट के साथ ग्रेजुएशन कर सकता है।

मास्टर डिग्री यानी की पोस्ट ग्रेजुएशन पूरा करें : ग्रेजुएशन और बीएड की डिग्री लेने के पश्चात उम्मीदवार को पोस्ट ग्रेजुएशन की डिग्री लेनी होती है। पोस्ट ग्रेजुएशन की डिग्री लेने पर विद्यार्थी किसी भी एक विषय में मास्टर डिग्री हासिल कर लेता है और उस विषय से संबंधित प्रयोगशाला शिक्षक बनने के लिए योग्य भी हो जाता है। मास्टर डिग्री लेने वाले उम्मीदवार को अब आने वाली प्रयोग शाला शिक्षक भर्ती में आवेदन करने के लिए योग्यता मिल जाती है।

प्रयोगशाला टीचर भर्ती में आवेदन करें : लैब टीचर बनने के लिए उम्मीदवार को सरकार के द्वारा नियमित तौर पर निकाले जाने वाली प्रयोगशाला टीचर भर्ती में अपना आवेदन लगाना होगा। हालांकि जो विद्यार्थी प्राइवेट विद्यालय में प्रयोगशाला टीचर बनना चाहता है। उस विद्यार्थी के लिए किसी भी भर्ती में आवेदन लगाने की जरूरत नहीं है। विद्यार्थी डिग्री कंप्लीट करने के बाद सीधा किसी भी प्राइवेट विद्यालय में ज्वाइन होकर प्रयोगशाला टीचर पद पर कार्यरत हो सकता है। लेकिन सरकारी प्रयोगशाला टीचर बनने के लिए विद्यार्थी को प्रयोगशाला टीचर भर्ती में अपना आवेदन लगाना होगा। जब विद्यार्थी प्रयोगशाला टीचर भर्ती में आवेदन लगाता है। तो विद्यार्थी को प्रयोगशाला टीचर की सेलेक्शन प्रक्रिया से गुजरते हुए इस पद को हासिल करना होता है।

कितनी होती है सैलरी : प्राइवेट विद्यालय में प्रयोगशाला टीचर को 15,000 से 25,000 तक की सैलरी मिल जाती है। प्राइवेट विद्यालय में यह सैलरी कोई फिक्स नहीं है। उच्च स्तरीय प्राइवेट विद्यालय में प्रयोगशाला टीचर की सैलरी 50,000 तक भी हो सकते हैं। सरकारी प्रयोगशाला टीचर बनने के बाद उम्मीदवार की सैलरी की बात की जाए तो उम्मीदवार को शुरुआत में 40,000 तक की सैलरी मिलती है और 2 साल की अवधि पूरी होने के बाद उम्मीदवार को पहला प्रमोशन मिलता है। उसके बाद उम्मीदवार को 50,000 से 70,000 की सैलरी और ग्रेड पे के साथ-साथ अन्य कई प्रकार के सरकारी भत्ते की सुविधाएं भी मिलती है।

कैंसर उपचार की रीढ़ है रेडियोथेरेपी, मरीजों की आशा की किरण

जन सेवा के साथ करियर का बेहतरीन विकल्प 'रेडियोथेरेपी टेक्नोलॉजिस्ट'

विपुल शर्मा

मोटिवेशनल स्पीकर

बीएससी इन रेडियोथेरेपी टेक्नोलॉजी (B.Sc in Radiotherapy Technology) जन सेवा के साथ युवाओं को करियर का बेहतरीन विकल्प उपलब्ध करवा रही है। यह तकनीक जहां कैंसर के मरीजों में आशा की किरण है, वहीं मेडिकल क्षेत्र में आगे बढ़ने वाले युवाओं को कामयाब होने के रास्ते दिखा रही है। इस क्षेत्र में करियर बनाने वाले युवाओं के लिए यह एक बेहतरीन कोर्स हो सकता है जो उनकी नौकरी की उम्मीदों को पंख दे सकता है। इसलिए युवा यह कोर्स कर अपने करियर को आसमान की बुलंदियों पर ले जा सकते हैं। आज के समय में दुनियाभर में बढ़ते कैंसर मामलों ने रेडिएशन थेरेपी की मांग को तेजी से बढ़ाया है। कैंसर के उपचार में रेडियोथेरेपी की महत्वपूर्ण भूमिका होती है और इसे सफलतापूर्वक देने वाले एक्सपर्ट रेडियोथेरेपी टेक्नोलॉजिस्ट की आवश्यकता लगातार बढ़ती जा रही है। ऐसे में बीएससी इन रेडियोथेरेपी टेक्नोलॉजी कोर्स युवाओं के लिए मेडिकल क्षेत्र में एक उत्कृष्ट करियर विकल्प बन चुका है। कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के इलाज में जहां एक ओर डॉक्टर और ऑन्कोलॉजिस्ट का योगदान अहम होता है। वहीं, रेडियोथेरेपी टेक्नोलॉजिस्ट पर्दे के पीछे से तकनीकी रूप से उपचार को सटीक और प्रभावी बनाते हैं। इनका कार्य रोगी के जीवन से सीधा जुड़ा होता है, इसलिए यह क्षेत्र न केवल वैज्ञानिक ज्ञान बल्कि मानवीय संवेदनाओं से भी परिपूर्ण है।

क्या है रेडियोथेरेपी टेक्नोलॉजी

रेडियोथेरेपी टेक्नोलॉजिस्ट, कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के इलाज में उपयोग की जाने वाली रेडिएशन मशीनों को ऑपरेट करते हैं। ये प्रोफेशनल्स डॉक्टरों के निर्देश पर रोगी को सटीक मात्रा में विकिरण देते हैं, जिससे ट्यूमर को नष्ट किया जा सके और स्वस्थ ऊतकों को नुकसान न पहुंचे। आज के समय में रेडिएशन तकनीक अत्याधुनिक हो चुकी है जैसे रैखिक त्वरक (एलआईएनएसी), ब्रैकीथेरेपी, साइबरनाइफ और गामा नाइफ जैसी मशीनें, जिनके संचालन के लिए विशेष प्रशिक्षण आवश्यक होता है। रेडियोथेरेपी टेक्नोलॉजिस्ट की भूमिका केवल मशीन चलाने तक सीमित नहीं होती, बल्कि वे रोगी की सुरक्षा, मशीन की मेंटेनेंस और रेडिएशन डोज की सटीक गणना जैसे अत्यंत संवेदनशील कार्यों में भी शामिल होते हैं।

बढ़ते कैंसर मरीजों के कारण बढ़ी डिमांड

कोर्स की ये हैं जरूरी योग्यताएं

इस कोर्स में प्रवेश के लिए छात्र को 12वीं (फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजी/मैथ्स) न्यूनतम 50/55% अंकों के साथ पास होना चाहिए। सरकारी संस्थानों में केवल प्रवेश परीक्षा के आधार पर ही दाखिला होता है। इसके लिए आप पहले कोचिंग भी ले सकते हैं। कई निजी संस्थान भी यह कोर्स संचालित कर रहे हैं, लेकिन छात्रों को संस्थान चुनते समय उसकी मान्यता और क्लिनिकल ट्रेनिंग सुविधा पर विशेष ध्यान देना चाहिए। इसके बाद ही संस्थान का चुनाव करें। चूंकि यह कोर्स तकनीकी और मरीजों के सीधे संपर्क से जुड़ा है, इसलिए व्यवहारिक ज्ञान इसकी सबसे बड़ी आवश्यकता है। इस पर ध्यान रखना जरूरी है।

साढ़े 4 वर्ष का डिग्री कोर्स

बीएससी इन रेडियोथेरेपी एक साढ़े 4 वर्ष का डिग्री कोर्स है, जिसमें क्लासरूम टीचिंग, लैब ट्रेनिंग और हॉस्पिटल इंटर्नशिप शामिल होती है। अंतिम वर्ष में विद्यार्थियों को रेडिएशन विभाग में हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग दी जाती है, जिससे वे वास्तविक मरीजों के साथ काम करने का अनुभव प्राप्त कर सकें। कुछ संस्थानों में छात्रों को प्रोजेक्ट कार्य, केस स्टडीज और वर्कशॉप्स के माध्यम से रिसर्च का भी अवसर मिलता है। इस दौरान उन्हें न केवल तकनीकी स्किल, बल्कि रोगियों के प्रति सहानुभूति और मानसिक मजबूती जैसे गुण भी विकसित करने पर बल दिया जाता है।

काम करके मिलता सुकून

रेडियोथेरेपी टेक्नोलॉजी एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें न केवल करियर की स्थिरता और उन्नति है, बल्कि कैंसर पीड़ितों की जिंदगी को बचाने का सुकून भी शामिल है। यह विज्ञान और मानवीय सेवा का सुंदर संगम है। यदि आप मेडिकल क्षेत्र में टेक्निकल एक्सपर्ट बनने के साथ समाज सेवा का जज्बा भी रखते हैं, तो यह कोर्स आपके लिए उपयुक्त विकल्प हो सकता है। आने वाले वर्षों में जैसे-जैसे भारत में कैंसर उपचार सुविधाएँ बढ़ेंगी, वैसे-वैसे रेडियोथेरेपी टेक्नोलॉजिस्ट की भूमिका और भी महत्वपूर्ण होती जाएगी।

कैंसर के उपचार में रेडियोथेरेपी की भूमिका सबसे कारगर, B.Sc in Radiotherapy Technology कोर्स युवाओं को दे रहा करियर बनाने का शानदार मौका

कोर्स करने के लिए प्रमुख संस्थान

1. पी.जी.आई.एम.एस. रोहतक (पंडित भगवत दयाल शर्मा पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, रोहतक)
2. पी.जी.आई. चंडीगढ़ (पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, चंडीगढ़)
3. एस.एम.एस. जयपुर (सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज, जयपुर)
4. बी.एच.यू. वाराणसी (बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी)
5. जिपमर पुडुचेरी (जवाहरलाल इंस्टिट्यूट ऑफ पोस्टग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, पुडुचेरी)
6. एम्स दिल्ली (अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली)
7. सी.एम.सी. वेल्लोर (क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज, वेल्लोर)

(नोट : इन संस्थानों से डिग्री प्राप्त करने वाले छात्र देश-विदेश में उच्च पदों पर कार्यरत हैं और रेडिएशन ऑन्कोलॉजी के क्षेत्र में भारत की पहचान बना रहे हैं।)

यह मिल सकता है वेतन

शुरुआत में रेडियोथेरेपी टेक्नोलॉजिस्ट का वेतन 30,000 रुपये से 45,000 रुपये प्रतिमाह तक हो सकता है। अनुभव के साथ और सरकारी अस्पतालों या प्रतिष्ठित संस्थानों में यह वेतन 60,000 रुपये से 80,000 रुपये प्रति माह तक भी पहुंच सकता है। विदेशों में यह प्रोफेशन और भी अधिक सम्मानजनक और उच्च वेतन वाला माना जाता है। साथ ही, जैसे-जैसे नई तकनीकें आ रही हैं जैसे आईएमआरटी-तीव्रता मॉड्यूलेटेड रेडिएशन थेरेपी, आईजीआरटी-इमेज गाइडेड रेडिएशन थेरेपी, एसआरएस/एसआरटी-स्टीरियोटैक्टिक रेडियोसर्जरी/स्टीरियोटैक्टिक रेडियोथेरेपी, एसबीआरटी-स्टीरियोटैक्टिक बॉडी रेडिएशन थेरेपी आदि इस क्षेत्र में विशेषज्ञता रखने वालों की मांग और बढ़ रही है। निजी स्वास्थ्य संस्थान अब योग्य रेडिएशन टेक्नोलॉजिस्ट को आकर्षक वेतन पैकेज दे रहे हैं।

यहां नौकरी के अवसर

रेडियोथेरेपी कोर्स के बाद छात्र निम्न संस्थानों में नौकरी कर सकते हैं।

- कैंसर स्पेशलिटी हॉस्पिटल्स
- मेडिकल कॉलेज व रिसर्च सेंटर
- प्राइवेट डायग्नोस्टिक और रेडिएशन यूनिट्स
- सरकारी अस्पतालों और स्वास्थ्य मिशन कार्यक्रमों के तहत
- अंतरराष्ट्रीय हेल्थकेयर संगठनों में
- इसके अतिरिक्त, अनुभवी टेक्नोलॉजिस्ट रिसर्च, हेल्थ एजुकेशन, मेडिकल इक्विपमेंट कंपनियों या हेल्थ मैनेजमेंट जैसे क्षेत्रों में भी अपना करियर बना सकते हैं।

हर नया दिन आपको सपनों को हकीकत में बदलने, बाधाओं को पार करने का देता मौका

मोटिवेशनल

डॉ. दिव्या तंवर

छात्र जीवन एक ऐसी यात्रा है जो चुनौतियों, अवसरों और भविष्य को आकार देने वाले पलों से भरी होती है। हर नया दिन आपके सपनों को हकीकत में बदलने, बाधाओं को पार करने और सफलता की ओर बढ़ने का एक मौका देता है। यह पल आपके लिए है अपनी ऊर्जा को संजोने, अपने मन को एकाग्र करने और अपनी रचनात्मकता को प्रज्वलित करने का समय। यह व्याकुलता का नहीं, बल्कि दृढ़ निश्चय का समय है वर्तमान को थामने और उज्जवल भविष्य को गढ़ने का अवसर। छात्रों को अक्सर पढ़ाई, व्यक्तिगत विकास और तेजी से बदलती दुनिया की अपेक्षाओं के बीच संतुलन बनाने का भारी दबाव झेलना पड़ता है। हतोत्साहित होना या अपने लक्ष्यों से भटक जाना स्वाभाविक लग सकता है। लेकिन हर सुबह, हर बीतता क्षण, आपके सपनों के प्रति फिर से समर्पित होने का आह्वान है।

सोचे-समझे कदमों से करें शुरुआत

दिन के ये शुरुआती पल रचनात्मकता और मेहनत के लिए एक खुला कैनवास हैं। सोशल मीडिया, आत्म-संदेह या आलस्य जैसे व्याकुलताओं के आगे झुकने के बजाय, इस समय को अपनी प्रेरणा को बढ़ाने और अपनी ऊर्जा को सार्थक कार्यों में लगाने के लिए उपयोग करें। जैसा कि एक प्रेरक हिंदी कथन कहता है कि सुबह का यह पल तुम्हारा है। मेहनत और सपनों के साथ आगे बढ़ो, क्योंकि हर कदम तुम्हें तुम्हारे लक्ष्य के करीब ले जाता है। यह उद्धरण इस पल को थामने के सार को दर्शाता है। सुबह का यह समय, जब दुनिया संभावनाओं से भरी जाग रही होती है, आपके लिए एक नई शुरुआत है। आपकी मेहनत, आपके प्रिय सपनों के साथ मिलकर, आपको आगे बढ़ा सकती है। चाहे आप परीक्षा की तैयारी कर रहे हों, किसी प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हों, या अपनी रुचियों को खोज रहे हों, यह वह समय है जब आपको पूरे उद्देश्य के साथ कार्य करना है। रचनात्मकता एक छात्र के रूप में आपकी सबसे बड़ी ताकत है। यह केवल किताबी ज्ञान या तथ्यों को रटने तक सीमित नहीं है; यह नए दृष्टिकोण अपनाने, अनोखे समाधान खोजने और चुनौतियों को रचनात्मक ढंग से हल करने के बारे में है। लेकिन व्याकुलताएं रचनात्मकता की सबसे बड़ी दुश्मन हैं। वे आपका ध्यान भटकाती हैं और उस ऊर्जा को कमजोर करती हैं जिसे आप सीखने और विकास में निवेश कर सकते हैं। अपने लक्ष्यों को क्षणिक प्रलोभनों से ऊपर रखकर, आप अपने भविष्य को आकार देने की शक्ति को फिर से हासिल करते हैं। इस पल का अधिकतम लाभ उठाने के लिए, छोटे-छोटे, सोचे-समझे कदमों से शुरुआत करें। दिन के लिए स्पष्ट और प्राप्य लक्ष्य बनाएं, अपने कार्यों को छोटे हिस्सों में बांटें और अपनी हर छोटी उपलब्धि का उत्सव मनाएं।

हर सफल व्यक्ति एक छात्र

अपने चारों ओर सकारात्मकता लाएं -चाहे वह प्रेरक दोस्त हों, मार्गदर्शक शिक्षक हों, या एक शांत स्थान जो आपके विचारों को उड़ान दे। याद रखें, हर सफल व्यक्ति कभी एक छात्र था, जिसने हार नहीं मानी, जिसने सुविधा के बजाय संघर्ष को चुना, और जिसने हर चुनौती को एक अवसर के रूप में देखा। सुबह का यह समय आपके सपनों के प्रति आपकी प्रतिबद्धता का प्रतीक बने। दुनिया आपके अनोखे योगदान, आपके विचारों और आपकी दृढ़ता की प्रतीक्षा कर रही है। इस पल को अपनाएं, अपनी रचनात्मकता को प्रज्वलित करें और अपने लक्ष्यों की ओर साहसपूर्वक कदम बढ़ाएं। एक छात्र के रूप में आपकी यात्रा केवल मंजिल तक पहुंचने की नहीं है यह उस रास्ते में अपने सर्वश्रेष्ठ स्वरूप को खोजने की है। तो, उठें, कर्म करें और हर क्षण को अमूल्य बनाएं।

खुद पर भरोसा करो, क्योंकि तुम्हारी ताकत तुम्हारे भीतर छिपी है

आत्मविश्वास सफलता की नींव है। यह उद्धरण छात्रों को अपनी आंतरिक शक्ति को पहचानने और उसका उपयोग करने के लिए प्रेरित करता है। जब आप खुद पर विश्वास करते हैं, तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं लगता। छात्र जीवन एक ऐसी अवस्था है जहां हर दिन एक नया सबक लाता है। इन प्रेरणादायक उद्धरणों को अपने साथी बनाएँ और हर चुनौती को एक अवसर के रूप में देखें। जैसा कि पहले उद्धरण में कहा गया, "सुबह का यह पल तुम्हारा है। मेहनत और सपनों के साथ आगे बढ़ो, क्योंकि हर कदम तुम्हें तुम्हारे लक्ष्य के करीब ले जाता है।" इस पल को थामें, अपने भीतर की रचनात्मकता और जुनून को जगाएं, और अपने सपनों की ओर बढ़ते रहें। आपमें वह शक्ति है जो आपको दुनिया की ऊंचाइयों तक ले जा सकती है बस उस पर विश्वास करें और कदम बढ़ाएं।

सामान्य ज्ञान

1. यंग प्रत्यास्थायता गुणांक का एसआई मात्रक है
(ए) डाइन/सेमी.
(बी) न्यूटन/मी.
(सी) न्यूटन/मी.^{2}
(डी) मी.^{2}/से.

2. निम्नलिखित युग्मों में से किन भौतिक राशियों के सामान विमीय सूत्र नहीं है ?
(ए) बल एवं दाब
(बी) कार्य एवं उर्जा
(सी) आवेग एवं संवेग
(डी) भार एवं बल

3. एक खगोलीय इकाई संबंधित है -
(ए) सूर्य एवं पृथ्वी के बीच की दूरी से
(बी) चन्द्रमा एवं पृथ्वी के बीच की दूरी से
(सी) सूर्य, चन्द्रमा के बीच की दूरी से
(डी) उपरोक्त में से कोई नही

4. निम्नलिखित में से कौन-सी अविमीय राशि है ?
(ए) विकृति
(बी) श्यानता गुणांक
(सी) गैस नियतांक
(डी) प्लांक नियतांक

5. निम्नलिखित में से कौन एक सदिश राशी नही है
(ए) संवेग
(बी) वेग
(सी) कोणीय वेग
(डी) द्रव्यमान

6. अदिश राशी है
(ए) उर्जा
(बी) बल आघूर्ण
(सी) संवेग
(डी) उपरोक्त सभी

7. निम्नलिखित में से कौन सी एक सदिश राशी है
(ए) संवेग
(बी) दाब
(सी) उर्जा
(डी) कार्य

8. निम्नलिखित में से कौन सी राशी सदिश नही है
(ए) विस्थापन
(बी) वेग
(सी) बल
(डी) आयतन

उत्तर 1.(सी) 2.(ए) 3.(ए) 4.(ए) 5.(डी) 6.(ए) 7.(ए) 8.(डी)

खबर संक्षेप

खेतों से केबल चोरी के पांच आरोपित दबोचे

जींद। गढ़ी थाना पुलिस ने गांव कालवन खेतों से सबमर्सिबल केबल चोरी करने के पांच आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपितों से पूछताछ कर रही है। गांव कालवन निवासी सुखमीत ने गत 21 अक्टूबर को पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि बीती रात चोरों ने उसके तथा पड़ोसी किसानों के खेतों से केबलों को चोरी कर लिया।

कोचिंग के लिए निकली युवती संदिग्ध हालात में लापता, केस

जींद। कोचिंग के लिए निकली युवती के संदिग्ध हालात में गायब होने पर सिविल लाइन थाना पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। सिविल लाइन थाना इलाके के व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गत दिवस उसकी 19 वर्षीय पोती घर से कोचिंग सेंटर के लिए निकली थी। जिसके बाद वापस नही लौटी। तलाशने तथा पूछताछ करने पर कोई सुराग नही लगा।

राजेंद्रा कालोनी में किया जागरण का आयोजन

उचाना। राजेंद्रा कालोनी में पूर्व पार्षद प्रतिनिधि एवं समाज सेवी विकास मखंड के यहां आयोजित माता के जागरण में विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री पहुंचे। ज्योति प्रज्वलित करके जागरण की शुरूआत की। जागरण में सुंदर-सुंदर झांकी प्रस्तुत की गई। पूजा सावरियां, मोनू दहिया, पंकज गोयल, शिवम गोयल ने पूरी रात माता के भजनों का गुणगान किया।

निगरानी समिति की बैठक तीन नवंबर को

जींद। नगराधीश मोनिका रानी ने बताया कि जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक आगामी तीन नवंबर को दोपहर बाद दो बजे होनी निश्चित हुई है। इस बैठक की अध्यक्षता सिरसा लोकसभा की सांसद कुमारी शैलजा करेंगीं। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि बैठक से संबंधित सभी प्रकार की तैयारी कर निश्चित समय पर पहुंचना सुनिश्चित करें।

प्रधानमंत्री पुरस्कारों के लिए आवेदन पंद्रह तक

जींद। केंद्र सरकार की ओर से लोक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कारों के लिए पंजीकरण व आवेदन जमा करवाने की अंतिम तिथि 15 नवंबर तय की है। प्रधानमंत्री पुरस्कारों के लिए तय शर्तें और मापदंड पूरे करने वाले 15 तक आवेदन जमा करवा सकते हैं। डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने बताया कि प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग की ओर से वर्ष 2006 में लोक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए पीएम पुरस्कार नाम से एक योजना शुरू की थी।

गुरुद्वारा गुरु तेग बहादुर साहिब में गुरमत समागम आज होगा

जींद। ऐतिहासिक गुरुद्वारा गुरु तेग बहादुर साहिब में गुरु तेग बहादुर के 350 साला शहीदी दिवस को समर्पित महान गुरमत समागम का आयोजन शनिवार को सुबह 10 बजे से चार बजे तक किया जाएगा। गुरुघर के प्रवक्ता बलविंदर सिंह ने बताया कि समागम हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सानिध्य में होगा। प्रबंधक कमेटी के प्रधान सरदार जगदीश सिंह झींडा व कार्यकारिणी सदस्य सरदार करनैल सिंह का इसमें सहयोग रहेगा।

पूर्व सैनिकों की टीम बाढ़ ग्रस्त क्षेत्र के लिए रवाना

कैथल। पूर्व सैनिक वेलफेयर एसो की टीम पंजाब के बाढ़ ग्रस्त एरिया तरन तरण व आसपास के जिलों के लिए रवाना हुई। इसकी अध्यक्षता करते हुए हवलदार जगजीत फौजी ने बताया की हमारी एसोसिएशन जैसे की पहले भी समय-समय पर बाढ़ पीड़ित एवं अन्य पीड़ितो की मदद के लिए हर संभव मदद करती है और प्रयासरत रहती है।

टेपबाल क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए टीम रवाना

सीवन। दूसरी राष्ट्रीय महिला टेपबाल क्रिकेट प्रतियोगिता 26 से 28 तक महाराष्ट्र के बल्लारपुर में आयोजित की जा रही है। इसके लिए हरियाणा की महिला टेपबाल टीम राज्य से रवाना हुई। संघ के महासचिव संजय सैन ने बताया कि रवाना होते टीम को बीएसएफ के जवान रमाकांत व पत्नी सपना ने सम्मानपूर्वक आशीर्वाद दिया।

महात्मा गांधी रोड पर सड़क के बीच लगे खंभों से आए दिन दुर्घटनाएं

अव्यवस्थित ढंग से लगे पोल जनसुरक्षा के लिए बना खतरा

अवहेलना करने पर संबंधित विभागों को जारी किया नोटिस

नागरिकों की जान-माल की सुरक्षा को बना खतरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। महात्मा गांधी रोड का दृश्य। फोटो :हरिभूमि

सफीदों उपमंडल अधिकारी पुलकित मल्होत्रा ने बताया कि शहर के महात्मा गांधी रोड पर सड़क के बीचोंबीच लगे बिजली के पोलों के कारण आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। जिससे नागरिकों की जान-माल की सुरक्षा को खतरा बना हुआ है। उपमंडल मजिस्ट्रेट ने अपनी शक्तियों का प्रयोग करते हुए संबंधित विभागों को बीएनएसएस की धारा 152 के तहत निर्देश जारी कर कहा कि महात्मा गांधी रोड पर लगे बिजली के पोलों को 10 नवंबर तक शिफ्ट करने की कार्यवाही सुनिश्चित करें। एसडीएम ने कहा कि इस समस्या के समाधान के लिए प्रशासन द्वारा कई बार निरीक्षण किया गया है। इस संबंध में दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम के सफीदों शहर के उपमंडल अभियंता तथा नगर पालिका सचिव के साथ पूर्व में कई बार मौखिक रूप से भी कहा जा चुका है इसके अलावा बैठकें भी आयोजित की जा चुकी हैं। इसके बावजूद भी संबंधित विभागों द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि सड़क के बीच लगे बिजली के पोलों को समय पर शिफ्ट नहीं किया गया तो इससे होने वाली किसी भी दुर्घटना की जिम्मेदारी संबंधित विभाग की होगी। उन्होंने इसे सार्वजनिक उपद्रव की श्रेणी में बताया। उन्होंने कहा कि प्रशासन नागरिकों की सुरक्षा और सुविधा के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है और जनहित के मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि यदि किसी अधिकारी को इस कार्रवाई में कोई आपत्ति या कठिनाई हए तो वह 29 अक्टूबर को प्रातः 11 बजे उपमंडल मजिस्ट्रेट सफीदों की अदालत में उपस्थित होकर कारण बताएं कि उनके विरुद्ध कार्रवाई क्यों न की जाए।

एमजी रोड शहर का सबसे व्यस्त मार्ग

उल्लेखनीय है कि एमजी रोड शहर का बहुत व्यस्त मार्ग है। अक्सर यहां भीड़भाड़ रहती है। सड़क के रास्ते में बिजली के पोल लगे हुए हैं। एसडीएम द्वारा बिजली विभाग के अधिकारियों को पोल पहले भी अन्य जगह शिफ्ट करने के निर्देश दिए जा चुके है। एसडीएम ने कहा कि कुछ दुकानदारों द्वारा भी अव्यवस्थित रूप से बोर्ड, फ्लेक्स लगाए गए हैं, उनको भी दुरुस्त करवाया जाए। एमजी रोड की चैड़ाई सही है लेकिन दुकानदारों द्वारा दुकानों के आगे अवैध रूप से रखे गए सामान के कारण इस पर अक्षर भीड़ हो जाती है। उन्होंने दुकानदारों से आह्वान किया कि वह अपनी दुकानों के आगे सामान ना रखें इससे सड़क पर चलने वाले राहगिरियों वह वाहनों के आवागमन में काफी दिक्कत आती है।

नशा न करने बारे किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

नगर के सभी वार्डों में डोर टू डोर अभियान चलाकर युवाओं सहित आमजन को नशा न करने के बारे में जागरूक किया। जागरूकता टीम में इंस्पेक्टर सुरेंद्र सिंह, एसआई कर्मबीर, एएसआई ओमप्रकाश, एचसी सुनील, महिला सिपाही किस्मत व सोनिया, एसपीओ राजपाल, व जसविंदर शामिल रहे। अभियान में पुलिस युवाओं को नशे से दूर रखने व खेलों से जोड़ने के लिए खेल गतिविधियों के माध्यम से युवाओं को प्रोत्साहित कर रही है। अभियान के माध्यम से पुलिस का उद्देश्य आमजन को नशे की बुराइयों से अवगत करवाना था।

कैथल। युवाओं को नशा न करने बारे जागरूक करती पुलिस टीम।

नशे के बचने का किया आह्वान

नशा एक ऐसी बुराई है, जिससे व्यक्ति का अनमोल जीवन समय से पहले ही मौत का शिकार हो जाता है। नशा करने वाला व्यक्ति अपने साथ साथ पूरे परिवार का जीवन खराब कर देता है। सबसे पहले युवा पीढ़ी को नशे से बचाना होगा, जो देश के भविष्य है। नशा परिवार, समाज सहित देश के भविष्य को खतरे में डालता है। उन्होंने कहा कि नशा मुक्त अभियान के सार्थक परिणाम सामने आ रहे है तथा जिला के अनेक युवा खेलों की ओर आकर्षित हो रहे है। सभी नशा मुक्त भारत अभियान में अपना योगदान दें। उन्होंने कहा कि नशे का कारोबार करने वालों की सूचना डायल 112 पर पुलिस विभाग को दें। सूचना देने वाले का नाम गुप्त रखा जाएगा।

कैथल। कलाकार अनिल भारती को सम्मानित करते सभा के पदाधिकारी।

कुरीतियों को दूर करने का संदेश

कैथल। हरियाणा कला परिषद के तत्वाधान में अनहद एजुकेशन एंड हेल्थ वेलवेयर समिति कैथल के द्वारा प्योदा रोड कैथल में लोक गायक अनिल भारती एवं दल के द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई। इसमें इसमें अनिल भारती एवं दल ने सामाजिक धार्मिक और अन्य प्रस्तुतियों के द्वारा दर्शकों का मन मोह लिया। समिति के पदाधिकारी ने हरियाणा कला परिषद का धन्यवाद किया और आगे भी आग्रह किया है कि इस तरह के सांस्कृतिक प्रोग्राम हमेशा होते रहें। उन्होंने अनिल भारती लोक कलाकार की जमकर तारीफ की। अनिल भारती ने सामाजिक व धार्मिक भजनों के माध्यम से सामाजिक कुरीतियों से दूर रहने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी अनिल भारती को हमारी संस्था में कार्यक्रम करने के लिए भेजा जाए।

आरकेएसडी स्कूल के विहान का नेशनल जूडो में चयन

कैथल। आरकेएसडी स्कूल के विहान ने जूडो में प्रथम स्थान प्राप्त करते नेशनल के लिए क्वालीफाई किया। दसवीं के छात्र विहान ने ओपन सब जूनियर ट्रायल में 45 किलो ग्राम वर्ग में अन्य प्रतिभागियों को पछाड़ते प्रथम स्थान प्राप्त किया यह ट्रायल 'जेएफ आई फेडरेशन के द्वारा 18 अक्टूबर को असंध (करनाल) में आयोजित किया गया। शारीरिक शिक्षक पवन शर्मा ने बताया कि राज्य स्तरीय जूडो प्रतियोगिता में विहान ने अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन किया। अब वह 16 से 20 नवंबर तक हैदराबाद में होने वाले नेशनल जूडो प्रतियोगिता में भाग लेंगे। विहान की इस उपलब्धि पर स्कूल की प्रधानाचार्या निवेदिता भट्ट ने उसे बहुत शुभकामनाएं दी और भविष्य में और अच्छा प्रदर्शन करने के लिए उत्साहित किया। स्कूल प्रबंधक समिति के चेयरमैन अश्विनी शोरे वाला व प्रधान सरल शांत मंगल ने भी विहान का हौसला बढ़ाया।

सोशल मीडिया का प्रभाव विषय पर सेमिनार

उचाना। राजकीय मॉडल संस्कृति वमावि उचाना कलां में हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद की राज्य स्तरीय परियोजना के तहत मंडलीय बाल कल्याण अधिकारी रोहतक एवं राज्य नोडल अधिकारी अनिल मलिक द्वारा राज्य के 189वें, जिले के 74वें बाल सलाह परामर्श व कल्याण केंद्र की स्थापना की। बाल सुरक्षा के लिए भावनात्मक समझ, किशोर मन पर सोशल मीडिया का प्रभाव विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। अनिल मलिक ने कहा कि विद्यार्थियों को सिर्फ शारीरिक नुकसान से बचाना ही नहीं बल्कि उनकी भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक भलाई को सुनिश्चित करना भी जरूरी है। किशोरावस्था की ओर अग्रसर रहते खुद को समझने की ज्यादा आवश्यकता है। इस बात पर ध्यान देना कि आप सोचते क्या है और कैसा महसूस करते हैं। अलग-अलग परिस्थितियों में उठने वाली भावनाओं पर ध्यान दें और देखें कि वे आपके कार्यों को कैसे प्रभावित करती है। मलिक ने कहा कि अधिकतर किशोर यह जानते भी कि सोशल मीडिया पर सब कुछ वास्तविक नहीं होता फिर भी इससे प्रभावित रहते हैं।

उचाना। उचाना कलां राजकीय स्कूल में आयोजित कार्यक्रम।

कैथल। प्रधानाचार्य सतीश मच्छाल जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाते।

स्वच्छता में ईश्वर का वासः मच्छाल

कैथल। क्लीन इंडिया कार्यक्रम के तहत राजकीय आईटीआई में चलाई जा रही राष्ट्रीय सेवा योजना एनएसएस यूनिट के छात्र-छात्राओं द्वारा स्वच्छता जागरूकता रैली निकाली। कार्यक्रम को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते सतीश मच्छाल प्रधानाचार्य एवं जिला नोडल राजकीय आईटीआई कैथल ने बताया कि कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग हरियाणा द्वारा 1 अक्टूबर से 31 तक क्लीन इंडिया कार्यक्रम प्रदेश की सभी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में आयोजित किया जा रहा है। इसी कड़ी में छात्र-छात्राओं द्वारा संस्थान परिसरों में स्वच्छता के बारे में जागरूक किया जा रहा है जिसके अनुसार स्वच्छता पर निबंध लेखन, भाषण प्रतियोगिता, जागरूकता रैली, सेमिनार, गोष्ठी आदि कार्यक्रम करवाए जा रहे हैं। आज संस्थान के छात्र-छात्राओं द्वारा कैथल के निवासियों को जागरूक करने के लिए रैली निकाली गई। जागरूकता रैली संस्थान से जाखोली अड्डा अनाज मंडी से मॉडल टाउन होते वापस संस्थान में संपन्न हुई। मच्छाल ने बताया स्वच्छता में ईश्वर का वास होता है।

टीबी मरीजों को गोद दिलाने के लिए बैठक

जींद। टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत निक्षय मित्र योजना के तहत एडीसी विवेक आर्य की अध्यक्षता में जिले में टीबी के इलाज पर चल रहे टीबी रोगियों को निक्षय मित्र योजना के अनुसार गोद दिलवाने के लिए बैठक हुई। इसमें उप सिविल सर्जन डा. पालेराम कटारिया, जिला क्षय रोग अधिकारी डा. अरविंद व स्टेट टीम मेंबर डा. जसकीरत ने वहां उपस्थित सभी सदस्यों को जिले टीबी के इलाज पर मरीजों को गोद लेने के लिए प्रेरित किया। सभी से अनुरोध किया कि वह जिले में टीबी टेस्टिंग को बढ़ाने के लिए सीबी नेट मशीन जिला क्षय रोग केंद्र को दे। एडीसी ने 1000 टीबी मरीजों को अलाट करते हुए उन्हें गोद लेकर पोषण किट देने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि अगर मरीज को उचित इलाज के साथ-साथ अगर पोषण युक्त आहार भी दिया जाए तो मरीज जल्द से जल्द ठीक हो सकता है। वहां उपस्थित सभी के द्वारा इन मरीजों को गोद लेने का आश्वासन दिया गया। बैठक में डीपीपीएम कोमल देशवाल, डीपीसी संदीप गोयतए विकास और रामदिया मौजूद रहे।

जींद। बैठक में भाग लेते हुए। फोटो :हरिभूमि

जींद। पदाधिकारियों को सम्मानित करते राजकुमार गोयल। फोटो :हरिभूमि

सम्मेलन में पदाधिकारियों को किया सम्मानित

जींद। अखिल भारतीय अग्रवाल समाज जिला जींद की एक बैठक प्रधान राजकुमार गोयल की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में सात सितंबर को जींद में आयोजित उत्तर भारत स्तरीय विवाह योग्य अग्रवाल युवक व युवती परिचय सम्मेलन की सफलता की विस्तार से समीक्षा की गई। साथ ही सम्मेलन में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले पदाधिकारियों को प्रधान राजकुमार गोयल द्वारा स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित भी किया गया। इस मौके पर प्रधान राजकुमार गोयल ने कहा कि यह सम्मेलन समाज की एकता और सामूहिक प्रयास का परिणाम रहा वही उपस्थित पदाधिकारियों ने इस सम्मेलन को ऐतिहासिक और अभूतपूर्व करार दिया। गोयल ने यह भी कहा कि इस परिचय सम्मेलन के काफी सार्थक परिणाम सामने आए हैं और अब भी लगातार रिश्तों की इंक्वारियां चल रही है। प्रधान राजकुमार गोयल ने कहा कि सात सितंबर को जींद की धरती पर ऐसा ऐतिहासिक परिचय सम्मेलन हुआ जो आज तक नहीं हुआ। इस सम्मेलन में 17 राज्यों से हजारों अग्रबंधु पहुंचे और विवाह योग्य प्रत्याशियों की संख्या 1200 से अधिक रही।

नरवाना। बैठक में भाग लेते संस्था के सदस्य। फोटो :हरिभूमि

संत नामदेव जयंती समारोह हिसार में होगा

नरवाना। राज्य स्तरीय संत नामदेव जयंती समारोह का आयोजन रविवार को गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालयए हिसार के ऑडिटोरियम में किया जाएगा। इस ऐतिहासिक समारोह में मुख्यमंत्री हरियाणा नायब सिंह सैनी मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगेए जबकि लोक निर्माण मंत्री रणबीर सिंह गंगवा अति विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता संत नामदेव सभा हरियाणा के अध्यक्ष सतबीर वर्मा करेंगे। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर विश्वकर्मा धर्मशालाए नरवाना में सभा के वरिष्ठ सदस्य प्रीतम सिंह की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई जिसमें काफी संख्या में समाज के लोग शामिल हुए और कार्यक्रम में बढ़.चढ़कर हिस्सा लेने की हामी भरी। संस्था के सदस्य राजेश टांक एवं दीपक रोहिल्ला ने बताया कि यह दूसरा राज्य स्तरीय संत नामदेव जयंती समारोह हैए पहला समारोह मुख्यमंत्री निवासए चंडीगढ़ ;कबीर कुटीरद्ध में आयोजित किया गया था। राजेश टांक ने कहा कि संत शिरोमणि नामदेव जी महाराज का जीवन हमें भक्तिए समानता और सेवा का अमर संदेश देता है।

डीजीपी ओपी सिंह ईमानदार-मेहनती व जमीन से जुड़े व सुलझे व्यक्तिः कंडेला

कंडेला जन कल्याण फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने की मुलाकात

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

सर्वजातीय ख़ाप पंचायत के राष्ट्रीय संयोजक व कंडेला जन कल्याण फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष टेकराम कंडेला ने पंचकूला जाकर प्रदेश के नवनियुक्त डीजीपी ओपी सिंह से मुलाकात की। कंडेला ने लगभग एक घंटा तक हरियाणा के ताजा मुद्दों को लेकर जैसे नशा मुक्ति हरियाणा पुलिस वालों के बीच में आपसी समन्वय व हरियाणा के गंभीर मुद्दों पर बातचीत की। कंडेला ने कहा कि प्रदेश के डीजीपी एक ईमानदार मेहनती व जमीन से जुड़े व सुलझे हुए व्यक्ति हैं। जो हर चीज को बारीकी से समझते हैं। ओपी सिंह ने डीजीपी बनते ही जो भी फैसले लिए हैं वह बहुत ही सराहनीय और जनहित के फैसले हैं। इससे हरियाणा में पुलिस की छवि छवि में बहुत अधिक सुधार आएगा। ओपी सिंह की मिस्ड कॉल वाली पहल की सोशल मीडिया पर हर जगह तारीफ हो रही है।

लापरवाही बर्दाश्त नही

पहले मनोहर लाल की सरकार में हिसार रेंज से आईजी रह चुके हैं व चौटाला सरकार में जींद जिला के एसपी रह चुके हैं। इनका जींद जिले से पुराना लगाव है। मनोहर लाल सरकार के दौरान जींद में नशे को लेकर एक बहुत बड़ी मैराथन दौड़ का आयोजन किया था। इसमें सर्वजातीय कंडेला खाप ने कंडेला खाप के चबूतरे पर बुला कर सम्मानित करने का काम किया था। कंडेला के साथ उनका पुराना लगाव है और वह खाप पंचायतों को बहुत सम्मान देते हैं। इस मुलाकात के दौरान उन्होंने विश्वास दिलाया कि अपराध को रोकने भ्रष्टाचार को कम करने व अन्य मुद्दों पर मजबूती से कार्य किया जाएगा। किसी भी प्रकार की कोई भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

नरवाना। वेदांता स्कूल के विजेता बच्चों को सम्मानित करते हुए प्राचार्या।

वेदांता किड्स के बच्चे छाए

नरवाना। वेदांता किड्स इंटरनेशनल स्कूलए बसंत विहार में हर्ष का माहौल तब देखने को मिला जब विद्यालय के नन्हे खिलाड़ियों ने जिला स्तरीय अंडर .11 स्केटिंग प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त किए। यह प्रतियोगिता जिले स्तर पर आयोजित की गई थीए जिसमें विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। वेदांता किड्स के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने अपने उत्कृष्ट स्केटिंग कौशल से सभी का ध्यान आकर्षित किया और प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। विद्यालय के पांचवीं कक्षा के रुद्र ने प्रथम स्थान तथा तीसरी कक्षा के आर्यवीर ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। अन्य विद्यार्थियों ने भी सराहनीय प्रदर्शन करते हुए सभी का दिल जीत लिया। विद्यालय के निदेशक प्रदीप नैन ने विजेता विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि बच्चों की मेहनतए लगन और खेल के प्रति समर्पण का परिणाम है। उन्होंने कोच सिमरन के योगदान की सराहना की और बच्चों को भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन जारी रखने के लिए प्रेरित किया।

प्रतियोगिता में विजेता टीमों को सम्मानित किया

जिला स्तरीय कल्चरल फेस्ट का रंगारंग समापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। प्रतियोगिता में भाग लेते छात्राएं। फोटो :हरिभूमि

डिफेंस कॉलोनी स्थित मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में जिला स्तरीय कल्चरल फेस्ट का शुक्रवार को समापन हुआ। कार्यक्रम के अंतिम दिन मुख्यअतिथि के रूप में नागरिक अस्पताल के डिप्टी सीएमओ डा. रमेश पांचाल, आईडीबीआई बैंक के मैनेजर मनीष कुमार, कैप्टन अतर सिंह, डा. दिनेश गुप्ता और डिप्टी डीईईओ प्रदीप दहिया ने शिरकत की। आखिरी दिन पांचवीं से आठवी कक्षा के विद्यार्थी ने प्रतियोगिता में भाग लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते नागरिक अस्पताल के डिप्टी सीएमओ डा. रमेश पांचाल ने बच्चों को सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बढ़चढ़कर भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। जिलेभर के विद्यालयों से आए छात्र व छात्राओं ने विभिन्न सांस्कृतिक और रचनात्मक प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपनी प्रतिभा दिखाई है। मंच पर बच्चों ने अपने हुनर, आत्मविश्वास और सृजनात्मकता से सभी का मन मोह लिया। डिप्टी डीईईओ प्रदीप दहिया ने कहा कि जिला स्तरीय कल्चरल फेस्ट में बच्चों को विभिन्न विधाएं जानने का मौका मिलता है। बच्चे अपनी कला का प्रदर्शन करते हैं। जिससे बच्चों में स्टेज का भय दूर होता है।

यह रहे प्रतियोगिता के परिणाम

जिला सांस्कृतिक समन्वयक सीमा मलिक ने बताया कि ग्रुप डांस में राजकीय मिडल स्कूल बिधराना प्रथम, राजकीय कन्या वमावि डूमरांखां द्वितीय, राजकीय कन्या वमावि जींद तृतीय रहा। जबकि सांत्वना पुरस्कार राजकीय हाई स्कूल रजाना कलां को मिला। सीमा मलिक ने बताया कि रागिनी सोलो प्रतियोगिता में राजकीय मॉडल संस्कृति स्कूल जींद प्रथम, राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल मम्भेवा द्वितीय व राजकीय मिडल स्कूल बिधराना तृतीय रहा। राजकीय कन्या वमावि नरवाना को सांत्वना पुरस्कार मिला। स्किट प्रतियोगिता में राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल करसोला प्रथम, राजकीय कन्या वमावि उचाना द्वितीय व राजकीय मिडल स्कूल बिधराना तृतीय रहा। राजकीय कन्या वमावि नरवाना को सांत्वना पुरस्कार मिला। जो टीमें जिलास्तरीय सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रथम आई हैं, उन्हें प्रदेशस्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने का मौका मिलेगा। विजेता रही टीमों को सम्मानित किया गया।

जींद। बच्चों के साथ स्थापना दिवस मनाते राजेश वशिष्ठ। फोटो :हरिभूमि

पहला कदम फाउंडेशन ने मनाया स्थापना दिवस

जींद। सामाजिक कार्यों में अग्रणी पहला कदम फाउंडेशन ने शुक्रवार को अपना आठवां स्थापना दिवस जींद कार्यालय में बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस कार्यक्रम में मुख्यअतिथि के तौर पर पहला कदम फाउंडेशन के चेयरमैन राजेश वशिष्ठ तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता रमेश चंद्र राष्ट्रीय संरक्षक ने की। जिला जींद के विभिन्न स्थानों से संस्था के सामाजिक कार्यकर्ताओं ने बढ़चढ कर भाग लिया तथा सामाजिक कार्यों पर चर्चा की गाई। रमेश चंद्र शर्मा ने बताया कि हम किस प्रकार से समाज में और अधिक प्रयास करते सामाजिक कार्यों में अपनी भूमिका निभा पाए। गरीब परिवार के बच्चों को शिक्षा तथा जरूरतमंद के लिए जरूरत के सामान को किस प्रकार से हम वितरित करें। चेयरमैन राजेश वशिष्ठ ने बताया कि संस्था ने पिछले सात वर्षों में सामजिक कार्यों में अपना विशेष योगदान दिया है तथा हमारी सोच रहती है कि हम जरुरतमंद लोगों तक अधिक से अधिक कैसे पहुंच पाएं। साथ ही वायु प्रदूषण तथा जल की कमी और बच्चों के स्वास्थ्य व शिक्षा इन सभी विषयों पर गंभीरता से विचार विमर्श करके सोचना तथा उसका समाधान निकालना जरूरी है।

कलायत में नगर पालिका के गली निर्माण पर उठे सवाल

टो वॉल न सीवरेज मेनहॉल गली में पानी निकासी भी नहीं

किसान और मजदूर तबके के लोगों ने एकजुट होकर रुकवाया निर्माण

कलायत में अधर में लटका गली निर्माण व नगर पालिका की लापरवाही को लेकर दी गई शिकायत की प्रति दिखाते बीरमाल राणा।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कलायत

कलायत में पुराने बाग के पास स्थित सैनी कालोनी से सटे आवासीय क्षेत्र में लाखा रुपए की गली निर्माण योजना के नाम पर नगर पालिका प्रशासन लीपापोती करने का मामला सामने आया है। आवासीय कॉलोनी में गली निर्माण को लेकर पारदर्शिता और गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। कहीं न कहीं लोगों के भारी विरोध के चलते नगर पालिका ने आखिरकार निर्माण बंद कर दिया है। इस संबंध में समाजसेवी बीरमाल राणा ने सीएम विंडो के साथ-साथ नगर पालिका सचिव को कार्यवाही के लिए शिकायत दी है। उनका कहना है कि निर्माणाधीन इस गली में सीवर मेनहॉल, टो वॉल और गंदे पानी की निकासी जैसी मूलभूत व्यवस्था नहीं की जा रही। न्यायालय द्वारा जनहित मामले में दिए गए आदेश-निर्देशों को दरकिनार करते हुए गली का लेवल बेहद ऊंचा उठाया जा रहा है। आवासीय क्षेत्र में मुख्य रूप से किसान और मजदूर वर्ग के परिवार रहते हैं। लंबे समय से इस गली के निर्माण की मांग कर रहे थे। प्रदेश सरकार ने जनता की सुविधा के लिए इस गली के निर्माण के लिए लाखों रुपए का बजट जारी किया।

तकनीकी मानकों का पालन नहीं किया

उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य में न तो तकनीकी मानकों का पालन किया गया और न ही पारदर्शिता दिखाई गई। कालोनी के लोगों का भी आरोप है कि गलियों का लेवल सही नहीं रखा गया। इससे वर्षा या सीवरेज का पानी रिहायशी घरों में जमा होने की आशंका बनी हुई है।कालोनी वासियों का कहना है कि निर्माण स्थल पर रोड़ा और मिट्टी की लेयर कसौटी अनुसार नहीं डाली गई। जिससे सडक की मजबूती पर प्रश्न चिह्न लग गया है। गली निर्माण का काम जल्दबाजी में बिना किसी निगरानी या इंजीनियर की देखरेख के किया जा रहा है। लोगों को डर है कि इस तरह से किया गया निर्माण कुछ ही महीनों में टूट-फूट का शिकार हो ाएगा।समाजसेवी बीरमपाल राणा ने प्रशासन से मांग की है कि गली निर्माण कार्य की जांच किसी स्वतंत्र तकनीकी टीम से कराई जाए और लापरवाही करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। लोगों ने उम्मीद जताई है कि प्रशासन इस मामले को गंभीरता से लेते हुए जल्द उचित कदम उठाएगा। ताकि भविष्य में इस तरह की अनियमितताएं न दोहराई जाएं।

कार्रवाई के निर्देश दिए

नगर पालिका सचिव पवन कुमार के अनुसार इस संबंध में दी गई शिकायत पर संज्ञान लेते हुए तकनीकी टीम को कार्यवाही के निर्देश दिए गए हैं। पालिका प्रशासन का लक्ष्य पारदर्शिता एवं गतिशीलता से निर्माण-विकास कार्य पूरे करवाना है।

पुलिस ने गुम हुए 6 वर्षीय बच्चे को ढूंढा

कैथल। थाना सिविल लाइन पुलिस ने घर से लापता हुए 6 वर्षीय मासूम बच्चे को 2 घंटे में ढूंढकर परिजनों को सौंपा। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि रणधीर कॉलोनी, कैथल निवासी एक परिवार का 6 वर्षीय बच्चा मोक्ष 23 अक्टूबर की देर शाम लगभग 7 बजे अचानक घर से लापता हो गया। जब परिजनों ने आस-पास तलाश की, लेकिन बच्चे का कुछ पता नहीं चला तो उन्होंने तुरंत इसकी सूचना डायल 112 पर दी।

डायल 112 की टीम और थाना सिविल लाइन पुलिस मौके पर पहुंची। एसपी उपासना ने भी मामला संज्ञान में आने पर तुरंत थाना सिविल लाइन एसएचओ इंस्पेक्टर सुरेश कुमार को बच्चे को जल्द ढूंढने के आदेश दिए। थाना सिविल लाइन एसएचओ इंस्पेक्टर सुरेश कुमार ने स्वयं टीम का नेतृत्व करते हुए पुलिस कर्मियों को तलाश के निर्देश दिए व खुद परिजनों के साथ बच्चे की तलाश में जुट गए। लगभग दो घंटे की मशक्कत के बाद पुलिस टीम ने बच्चे को कमेटी चौक के पास पैदल चलते हुए ढूंढ निकाला।

कर्मी आज करेंगे ऑनलाइन कार्यक्रमों का बहिष्कार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नरवाना

बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कर्मचारी एसोसिएशन द्वारा शनिवार से स्वास्थ्य विभाग में फील्ड व शहरी स्तर पर किए जाने वाले सभी ऑनलाइन कार्यों का बहिष्कार किया जाएगा। कर्मचारियों ने अपनी मांगों और नाराजगी को लेकर सिविल सर्जन को पहले ही ज्ञापन सौंप दिया था। एसोसिएशन की राज्य उपप्रधान सुदेश कुमारी, जिला प्रधान प्रदीप लाठर, सचिव गुरनाम सिंह ने बताया कि एसोसिएशन द्वारा बार-बार उच्च अधिकारियों को पत्र लिखने के बावजूद भी कुछ अधिकारियों द्वारा इंटरनेट युक्त लैपटॉप आदि उपलब्ध करवाने की बजाय कर्मचारियों को स्वास्थ्य कार्यक्रम की रिपोर्ट हेतू अपने निजी मोबाइल पर एप डाउनलोड करने पर बाध्य किया जा रहा है और कुछ अधिकारी अपने निजी स्वार्थ के लिए सरकार को गुमराह करके कर्मचारियों को अनवाश्यक परेशान करने पर तुले हुए हैं। जिसके कारण स्वास्थ्य कर्मचारियो मे भारी रोष है। उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा एक तरफ तो जनता के मानसिक संतुलन को ठीक रखने के लिए मेंटल हैल्थ कार्यक्रम चलाया जा रहा है। वहीं पर मोबाइल फोन पर घंटों-घंटों ऑनलाइन कार्य करने के लिए बाध्य कर स्वास्थ्य कर्मचारियों का ही मानसिक संतुलन खराब किया जा रहा है। यदि कर्मचारियों के साथ जबरदस्ती बंद करने, नए नोरम के नाम पर राज्य के शहरी क्षेत्रों में बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कर्मचारियों के समाप्त किए पदों को बहाल करने, एनएचएम के तहत कार्यरत महिला एमपीएचडब्लू को नियमित कर्मचारी की भांति 4200 ग्रेड पे देने, अन्य वर्गों के कर्मचारियों की भांति एमपीएचडब्लू कादर के पदानाम बदलने, कनफर्म सूची जारी करने आदि लंबित मांगों को लेकर स्वास्थ्यकर्मी आंदोलन तेज करेंगे।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के तहत कार्यक्रम का किया आयोजन

राजौंद। राजौंद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अंतर्गत आने वाले उप स्वास्थ्य केंद्र बीर बागड़ा में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज में बेटियों की सुरक्षा और शिक्षा के महत्व पर लोगों को जागरूक करना रहा। कार्यक्रम में उप स्वास्थ्य केन्द्र स्वास्थ्य कर्मी रामनिवास,चंद्रकला व सीमा मौजूद रहे और वहां पर मौजूद बेटियों महिलाओं आंगनवाड़ी वर्कर आशा वर्करों को संबोधित किया। उन्होंने बताया कि यह अभियान 22 जनवरी 2015 को शुरू किया गया था जिसका मुख्य उद्देश्य बाल लिंगानुपात को सुधारना, लड़कियों को समान अवसर देना, समाज में बेटियों के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करना है।

गांव बीर बांगड़ में आयोजित कार्यक्रम में मौजूद महिलाएं।

स्वास्थ्य कर्मी चंद्रकला व सीमा ने सभी महिलाओं बेटियों,आंगनवाड़ी वर्करों ,आशा वर्करों को बेटियों की सुरक्षा व शिक्षा में सहयोग करने की शपथ दिलाई। इस दौरान आंगनबाड़ी वर्कर सुमन देवी ,उर्मिला ,संगीता आशा वर्कर मनोज कुमारी, सीमा देवी,सुदेश ,कमलेश ,सविता व गांव की महिलाएं मौजूद रहीं।

खबर संक्षेप

सीएम विंडो एमिनेंट पर्सन कपिल ने किया शिकायतों का निपटारा

राजौंद। राजौंद खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी कार्यालय में सीएम विंडो एमिनेंट पर्सन कपिल दीक्षित की मौजूदगी में सीएम विंडो से संबंधित शिकायतों का निपटारा किया गया। मौके पर 20 के लगभग शिकायतें आई जिनको अधिकारियो के संज्ञान में लाकर लगभग 8 शिकायतों का मौके पर समाधान करवाया गया। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष जंगीर सिसला, मंडल अध्यक्ष अनिल मलिक, जिला उपाध्यक्ष युवा मोर्चा कमल राणा, मंडल महामंत्री लोकेश राणा, भाजपा वरिष्ठ नेता महेंद्र शर्मा, पार्षद कर्मपाल राणा, मंडल कोषाध्यक्ष विरेन्द्र राणा, सतपाल शर्मा आदि मुख्य रूप से मौजूद रहे।

मारपीट में युवक घायल

कैथल। पुंडरी खंड के गांव मोहना में हुई मारपीट में एक युवक घायल हो गया। उसे अस्पताल में दाखिल करवाया गया है। गांव मोहना के संजय कुमार ने पुंडरी पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 22 अक्टूबर को रात के करीब 10:00 बजे गांव के ही गुलाब, छोटू, कांटी, सागर, अक्षु ने अपने चार-पांच अन्य साथियों के साथ मिलकर चाकू, गंडासी और तलवारों से हमला करते हुए उसके 18 वर्षीय बेटे विशाल को घायल कर दिया। बाद में आरोपी मौके से फरार हो गए। जांच अधिकारी सब इंस्पेक्टर संजय ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अवैध अफीम और शराब बरामदगी मामले में आरोपी बलबीर सिंह बरी

- गवाहों के बयानों में विरोध, स्वतंत्र गवाह न शामिल करने पर कोर्ट ने जताई आपत्ति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

कैथल की एनडीपीएस स्पेशल कोर्ट ने 50 ग्राम अफीम और 5 बोतल अवैध शराब बरामदगी के एक मामले में आरोपी बलबीर सिंह निवासी गांव खंभेड़ा को बरी कर दिया है। यह मामला थाना गुहला क्षेत्र में अगस्त 2020 में दर्ज हुआ था, जिसमें पुलिस ने आरोपी के घर दबिश देकर प्रतिबंधित पदार्थ बरामद करने का दावा किया था। अदालत ने जांच में गम्भीर खामियों और गवाहों के परस्पर विरोधी बयानों के चलते अभियोजन की कहानी को अविश्वसनीय माना।

सुनवाई के दौरान यह सामने आया कि पुलिस ने जिस गुप्त सूचना के आधार पर दबिश दी, उसका स्रोत स्पष्ट रूप से रिकॉर्ड में नहीं था। गवाह उप निरीक्षक बलजीत सिंह ने जिरह में कहा कि गुप्त सूचना देने वाले व्यक्ति को टवेरा गाड़ी की पिछली सीट पर बैठाया गया था, जबकि सह-अन्वेषक उप निरीक्षक शुभकरण ने बयान दिया कि वह व्यक्ति बीच वाली सीट पर बैठा था।

इसी प्रकार, बलजीत सिंह ने कहा कि छापेमारी के समय वह वर्दी में थे और बाकी पुलिसकर्मी सिविल में, जबकि अन्य गवाहों ने पूरी टीम को वर्दी में बताया। अदालत ने इन बयानों को "भौतिक विरोधाभास" करार दिया।

इस मामले में आरोपी पक्ष की तरफ से अधिवक्ता अजय कुमार गुप्ता और अधिवक्ता अर्पित गुप्ता ने पैरवी की और अदालत में तर्कसंगत रूप से यह साबित किया कि बरामदगी संदिग्ध, प्रक्रिया त्रुटिपूर्ण और गवाहियां विरोधाभासी थीं।

सड़क का निर्माण होने से वाहन चालकों को राहत

- करीब 1 करोड़ 70 लाख रुपए की राशि इस सड़क के निर्माण पर खर्च हुई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| उचाना

खटकड़ से बड़ौदी तक बनी सड़क।

गड्ढों में तबदील हो चुकी खटकड़ से बड़ौदी तक मार्केटिंग बोर्ड द्वारा सड़क का निर्माण करने से वाहन चालकों ने राहत की सांस ली है। कई सालों से सड़क निर्माण की मांग की जा रही थी। यहां पर सड़क कम गड्ढे अधिक होने से वाहन चालकों के साथ-साथ खेतों में आने-जाने वाले किसानों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। 3.70 किलोमीटर की सड़क के निर्माण पर करीब एक करोड़ 170 लाख रुपए की राशि खर्च हुई है। बीती सरकार में तत्कालीन डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला से भी वाहन चालकों द्वारा सड़क निर्माण की मांग करने के बाद भी सड़क का निर्माण नहीं हो पाया था। विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री से की गई मांग के बाद सड़क का निर्माण होने से वाहन चालकों, ग्रामीणों ने विधायक का आभार प्रकट किया। वाहन चालक जगदीश, सुनील, राजबीर, मनोज ने कहा कि जो काम डिप्टी सीएम रहते हुए बीती सरकार में दुष्यंत चौटाला बार-बार मांग के बाद भी नहीं कर पाए थे वो एक बार मांग के बाद विधायक ने करके दिखाया है। सड़क में गड्ढे अधिक होने से यहां से पैदल आवागमन भी लोग नहीं कर पा रहे थे। बड़ौदी जाने के लिए मोहनगढ़ छापड़ा होकर जाना पड़ रहा था क्योंकि यहां पर गड्ढे अधिक होने से आवागमन करना मुश्किल हो रहा था। अब सड़क निर्माण होने से आने-जाने में जो परेशानी हो रही थी वो दूर हो गई है। बिना किसी देरी के अब आवागमन कर एक-दूसरे गांव में वाहन चालक आ-जा रहे है तो खेतों में जाने वाले किसानों को आ रही परेशानी दूर हुई है। मार्केटिंग बोर्ड एसडीओ नितिन ने बताया कि 3.70 किलोमीटर की खटकड़ से बड़ोदी सड़क का निर्माण पूरा हो चुका है। करीब 1 करोड़ 70 लाख रुपए की राशि इस पर खर्च हुई है।

जनसेवा की मिसाल बने मनोहर लाल : अमरजीत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

हरियाणा राइस मिलर्स एंड डीलर्स एसोसिएशन के प्रदेशाध्यक्ष अमरजीत छाबड़ा ने कहा कि केंद्रीय मंत्री एवं हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने जनसेवा की ऐसी मिसाल पेश की है, जो देशभर के नेताओं के लिए प्रेरणादायक है।

छाबड़ा ने बताया कि मनोहर लाल खट्टर ने अपने नाम के अनुरूप 'मनोहरी' जनहित कार्य करते हुए समाज के हर वर्ग का दिल जीता है। हाल ही में उन्होंने अपनी 1.5 एकड़ निजी जमीन बेचकर प्रधानमंत्री राहत कोष में 1 करोड़ रुपये दान किए, ताकि यह राशि जरूरतमंदों की सहायता और जनकल्याण के कार्यों में उपयोग हो सके। अमरजीत छाबड़ा ने कहा कि खट्टर ने न केवल आर्थिक रूप से जनहित में योगदान दिया, बल्कि अपने पुश्तैनी घर को भी सार्वजनिक उपयोग के लिए लाइब्रेरी के रूप में दान कर दिया है। उन्होंने कहा कि यह निर्णय समाज में ज्ञान और सेवा की भावना को बढ़ावा देने वाला कदम है।

बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कर्मचारी संगठन ने किया ऑनलाइन कार्यों का बहिष्कार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कलायत

बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कर्मचारी संगठन अब प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग के सामने बड़ी चुनौती खड़ी करने जा रहा है। इसके तहत ऑनलाइन पोर्टलों पर दबावपूर्ण ढंग से करवाए जा रहे कार्यों का 25 अक्टूबर से पूर्ण बहिष्कार होगा। कलायत स्थित उप मंडल नागरिक उप मंडल अस्पताल परिसर में आयोजित संगठन की बैठक में यह निर्णय लिया गया। बैठक की अध्यक्षता ब्लॉक प्रधान वीरेंद्र नरवाल ने की। संगठन ब्लॉक प्रेस सचिव रणदीप सिंह ने निर्णयों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बैठक में एमपीएचई कैडर की विभिन्न समस्याओं पर विचार विमर्श किया गया। इसमें सरकार द्वारा एमपीएचडब्ल्यू फीमेल एवं एमपीएचएस फीमेल को समय पर सैलरी न देने पर व्यापक चर्चा करते हुए रोष प्रकट किया गया। इसके साथ ही राज्य कमेटी द्वारा 25 तारीख से विभिन्न पोर्टलों के ऑनलाइन कार्यों का

बहिष्कार करने के निर्णय पर सहमति से प्रस्ताव पारित किया गया । उपरांत वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डा.किरण सिंधु को को ज्ञापन सौंपा गया। महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं हरियाणा पंचकूला के नाम सौंपे गए ज्ञापन में कर्मियों ने अपनी समस्याओं का उल्लेख किया। शिष्टमंडल में ब्लॉक प्रधान व सचिव के अलावा रणदीप सिंह, राजीव कुमार, देवी रानी, संतोष रानी व कैडर से कई कर्मचारी मौजूद रहे।

45 साहित्यकारों को 16 को करेंगे सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

हिंदी साहित्य प्रेरक संस्था जींद के तत्वावधान में 26 अक्टूबर रविवार के दिन एक विशाल साहित्यकार अलंकरण समारोह का आयोजन किया जा रहा है। इसमें विभिन्न 45 साहित्यकारों को उनके सृजनात्मक लेखन हेतु सम्मानित किया जाएगा तथा छह नई पुस्तकों का विमोचन किया जाना है। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि डा. धर्मदेव विद्यार्थी निदेशक साहित्य अकादमी हरियाणा एवं अविनाश चावला पूर्व कुलपति कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र रहेंगे। मुख्य अतिथि के रूप में हरियाणा विधानसभा डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता शकुन्तला काजल शकुन अध्यक्ष हिंदी साहित्य प्रेरक संस्था जींद की रहेगी। कार्यक्रम में देश विदेश से अनेकों साहित्यकार शामिल होंगे। अमेरिका नेपाल आदि देशों से साहित्यकार यहां शिरकत करने आएंगे जिन्हें सम्मानित किया जाना है। यह जानकारी देते हुए संस्था के महासचिव बलराज स्नेही ने बताया कि कार्यक्रम का समय सुबह 9:30 रखा गया है। सभी रचनाकारों के लिए भोजन प्रसादी की व्यवस्था भी रहेगी। ज्ञातव्य है कि यह संस्था 1961 से हिन्दी और हिन्दी साहित्यकारों के उत्थान के लिए कार्य कर रही है।

रन फॉर यूनिटी की तैयारियों पर किया मंथन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

नगर आयुक्त एवं राष्ट्रीय एकता दिवस कार्यक्रम के नोडल अधिकारी कपिल शर्मा ने कहा कि भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल के जन्म दिवस यानि 31 अक्तूबर को जिला स्तर पर रन फॉर यूनिटी का आयोजन होगा। यह कार्यक्रम डीसी प्रीति के मार्गदर्शन में सेक्टर 21 स्थित चौधरी छोटू राम इनडोर खेल स्टेडियम में सुबह 6 बजे किया जाएगा। सभी संबंधित विभागों के अधिकारी राष्ट्रीय एकता दिवस कार्यक्रम की समय रहते तैयारियां पूर्ण करें और अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करें।

नगर आयुक्त कपिल शर्मा सेक्टर-20 मार्केट स्थित नगर आयुक्त कार्यालय में राष्ट्रीय एकता दिवस की तैयारियों के संदर्भ में आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि रन फॉर यूनिटी सुबह छह बजे स्टेडियम से शुरू होकर चौ. छोटू राम चौक, ढांड रोड, सावित्री भाई फुले चौक, लाला चरण दास मार्ग से होते हुए खेल स्टेडियम में संपन्न होगी। उन्होंने कहा कि जिला के सभी विभागाध्यक्षों को निर्देश दिए गए हैं कि वे स्वयं तथा अपने अधीनस्थ सभी अधिकारी एवं कर्मचारी सहित कार्यक्रम स्थल पर 31 अक्तूबर को निर्धारित समय पर पहुंचे।

मृतक एएसआई की पत्नी बोलीं-सरकार की जांच पर पूरा भरोसा

एएसआई संदीप लाठर को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

एएसआई संदीप लाठर की स्मृति में जुलाना में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जुलाना

मृतक एएसआई संदीप के चित्र को पुष्प अर्पित करते दुष्यंत चौटाला।

जुलाना वार्ड नंबर चार निवासी मृतक एएसआई संदीप लाठर की स्मृति में शुक्रवार को जुलाना में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस मौके पर क्षेत्रभर से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे और दिवंगत आत्मा को श्रद्धासुमन अर्पित किए। सभा में प्रदेश के कई बड़े नेता भी पहुंचे और परिवार को सांत्वना दी। जिनमें कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष राव नरेंद्र, कांग्रेस जिलाध्यक्ष रिषिपाल हैबतपुर, प्रदेश के पूर्व उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला, किसान नेता गौरव टिकेत, नवीन जयहिंद, भाजपा के पूर्व प्रत्याशी कैप्टन योगेश बैरागी आदि गणमान्य लोग मौजूद रहे। पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला, किसान नेता नरेश टिकैत के बेटे गौरव टिकैत तथा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा कि संदीप लाठर की मौत की सच्चाई सामने आनी चाहिए। वहीं किसान नेता गौरव टिकैत ने कहा कि संदीप लाठर जैसे कर्मठ अधिकारियों पर गर्व किया जाना चाहिए। उन्होंने सरकार से मांग की कि परिवार को उचित मुआवजा और एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाए ताकि परिवार की आर्थिक स्थिति संभल सके।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि सरकार को चाहिए कि वह इस घटना की गहराई से जांच कर दोषियों को सजा दिलाए। न्याय ही संदीप लाठर को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। सरकार को चाहिए कि क्राइम पर लगाम लगाए।

सरकार की जांच पर पूरा भरोसा : वार्ड चार निवासी मृतक एएसआई की पत्नी संतोष ने कहा कि पुलिस उनका घर है और परिवार कभी भी गलत नही करता है। उनके परिवार ने कभी भी सीबीआई जांच की मांग नही कीहै। सरकार द्वारा जो जांच की जा रही उससे वो संतुष्ट हैं। उन्हें भरोसा है कि उन्हें न्याय मिलेगा।

पराली में आग न लगाएं : एसडीएम

जींद। एसडीएम सत्यवान सिंह मान ने कहा कि कोई भी व्यक्ति अपने खेतों में फसल कटाई के बाद पराली में आग ना लगाए। प्रदूषण नियंत्रण के लिए यह आवश्यक है कि फसल के बचे हुए फानों में आग ना लगा कर उनको खेत में ही नष्ट कर दिया जाए। एसडीएम सत्यवान सिंह मान ने कहा कि पराली का प्रबंधन करने के लिए आज किसानों के सामने विकल्प मौजूद हैं। इस पराली से चारा बन सकता है, पराली के बंडल बन सकते हैं और उसे खेत की मिट्टी में ही मिलाया जा सकता है। इस कार्य में कृषि विभाग से मशीनों की सहायता ली जा सकती है। उन्होंने कहा कि पराली जलाने से प्रदूषण फैलता है जो कि सेहत के लिए हानिकारक है। खेत में आग लगाने की वजह से भूमि की उपजाऊ शक्ति क्षीण होती है।